संपादकीय

देश का फर्ज

स्वाधीनता संग्राम के नायक को सम्मान देने में सरकारों की कोताही व ढुलमुल रवैये को लेकर पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने जो जजमेंट दी है, उसकी रोशनी में सवाल स्वाभाविक है कि इन युद्धनायकों के लिए देश क्या कर सकता है? केस पूर्व सैनिक बख्शीश सिंह का है, जो देश की रक्षा में शहीद हुए। शहीद की सेवाओं के सम्मान में तत्कालीन सरकार ने उनके परिवार वालों को 33 एकड़ जमीन का रकबा अलाट किया था, जिस पर 1916 में ब्रिटिश सरकार ने कब्जा कर लिया था। वर्ष 1988 में सरकार ने महज 13000 रुपये की राहत राशि देकर अपने हाथ खींच लिये। लेकिन अलाट जमीन को लेकर शहीद के परिवारजनों ने कोर्ट में अपना दावा पेश किया। हालांकि, कोर्ट की व्यवस्था के मुताबिक वर्तमान में राहत राशि ही 25 लाख प्रति एकड़ बनती है। त्रासदी यह है कि आजादी के 70 साल बाद भी हम उपनिवेशवाद की छाया से बाहर नहीं आ सके हैं। आज भी शहीदों के मामले में हम कानूनी पेचीदगियों को मुख्य रखते हैं बजाय तर्कसंगत ढंग से निपटाने के।

ऐसे ही मामलों में दो अन्य युद्धनायकों के परिवारों को अधिकृत की गयी जमीन का मुआवजा वर्तमान कीमतों के अनुसार अदा किया गया लेकिन बख्शीश सिंह के केस में ऐसा नहीं हुआ। उन्हें 13000 रुपये की राशि देकर ही निपटा दिया गया। वह भी खासकर तब जब ऐसे मामलों में अदालत की खासतौर पर हिदायत हो। एक अन्य केस में हाईकोर्ट ने कहा कि युद्धनायक के परिजनों के लिए यह दुखद स्थिति है जब उन्हें अहसास हो कि देश उसके बलिदानों को भूल गया है। सरकार देश के नायकों की शान में कसीदे पढ़ रही है, 150 करोड़ रुपये का युद्ध स्मारक बनकर तैयार कर दिया गया है लेकिन हकीकत इतिहास की किताबों से बाहर निकले। जिन शहीदों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए हैं, उनके प्रति हमारा फर्ज है कि उनके परिवार के हक व सम्मान के प्रति हम प्रतिबद्ध रहें।

सधे नज़रिये से विसंगतियों पर चोट

मतदान केंद्र पर झपकी' कवि केदारनाथ की 38 कविताओं का संग्रह है। इसकी मूल पाण्डुलिपि को उन्होंने मृत्यु से पूर्व ही तैयार कर दिया था, जिसे बाद में सुनील कुमार सिंह ने प्रकाशित करवाया। संग्रह की कविताओं में केदारनाथ सिंह अपने गांव से धरती और धरती से पूरे ब्रह्मांड की यात्रा करते हैं। कविताएं आत्म-संवाद की निजी शैली में लिखी गयी हैं। वर्तमान और अतीत की यात्रा करती कविताएं उनके अंतिम क्षणों की मनःस्थिति और चिंतन को पाठकों के सामने रखती हैं। मूलतः कविताओं में उनकी जनवादी सोच अभिव्यक्त हुई है। विसंगतियों पर प्रहार करते केदारनाथ सिंह बेहद विनम्र और सधे हुए नजर आते हैं। यह वसीयत है, जिसे वह पाठकों को सौंप रहे हैं।

शीर्षक कविता 'मतदान केंद्र पर झपकी' में मतदान केंद्र पर वोट देने पहुंचे मतदाता को वोटरलिस्ट से अपना नाम गायब मिलता है। व्यवस्था की इस झपकी से आहत कवि अकेला नहीं है। वंचितों की जमात में वह व्यर्थता में सार्थकता की तलाश करता है, जिसमें धरती उसमें ऊर्जा का संचार करती है और वह नये संघर्ष के लिए तत्पर हो जाता है। इस क्रम में उसे भी सुकून की झपकी आ जाती है। 'पानी' कविता भी उस वंचित को समर्पित है, जिसका धर्म पानी है। हवा जिसे दीक्षा देती है। रास्ता ही देवता और घास-पात उसके सहपाठी हैं। मकई का पेड़ उसका कल्पवृक्ष है। साधनहीन यह वंचित दुनिया के चौराहे पर वृद्धावस्था तक भला-चंगा खड़ा है क्योंकि धरती की जड़ों ने उसे पोषित किया है।

'माचिस लाना न भूलना' में देश की साइकिल में हवा नहीं है तो क्या हुआ? अंततः वह जहां पहुंचा दे वहीं से नागरिक अपना रास्ता स्वयं ही चुन लें, उसी में उनकी भलाई है। यही कवि की मार्क्सवादी सोच है, जहां वह व्यवस्था से समझौता करने को तैयार नहीं है। 'करोड़ों साल पुरानी' कविता में ब्रह्मांड को वह करोड़ों साल पुरानी जर्जर बैलगाड़ी कहकर उसकी धुरी की मरम्मत की बात कहता है। 21वीं सदी की निरंतर परिवर्तनकामी यात्रा में कवि आकांक्षा अवश्य कर सकता है परंतु यह सदी तो सब कुछ अनसुना करके आगे बढ़ रही है। पीछे तो वही मनुष्य छूटा जा रहा है, जिसके लिए कवि के मन में असंख्य दर्द मौजूद हैं। एक इनसान में एक ऐसा इनसान मौजूद है जो इस दुनिया में पूरी तरह अनफिट है। 'कालजयी' कविता में कवि का मानना है कि कालजयी कविता वही होती है जो लिखकर फाड़ दी जाती है। 'सज्जनता' कवियों में कवि को सांप से डर नहीं लगता, 'पर सज्जनों/ क्षमा करना/ मुझे सज्जनता से/ डर लगता है।' इस कविता में मित्रता का स्वांग भरने वाले कथित भितरघातियों पर व्यंग्य है। 'खून' कविता का परिदृश्य अत्यंत विराट है क्योंकि यात्रा के इस महापर्व में, 'पृथ्वी के सारे खून एक हैं।' जब-जब खून की एक बूंद कहीं टपकती है तो किसी दूर गांव के बच्चे की धड़कन उसे सुन लेती है। धरती की अरबों धड़कनें एक ही लय में धरती को घुमाती हैं और हर खून एक-दूसरे खून से बतियाने लगता है। 'वसीयतनामा' में कवि ने अपनी खाल खेत के नाम कर दी है। 'खुरपी' कविता में निहत्थी खुरपी खेत के बीचोंबीच पड़ी रहकर भी धरती की रक्षा का सारा दायित्व निभा लेती है क्योंकि वह धरती का औजार है जिस पर दुनिया के भरण-पोषण की जिम्मेदारी है। 'उद्दाम संगीत' कविता में कवि को मृत्यु के सौंदर्य पर लिखी हुई कविता की प्रतीक्षा है। मृत्यु के ऊपर लिखी गयी कविता दुनिया की सर्वोत्तम कविता होगी, जिसे अभी तक लिखा ही नहीं गया है। 'कितने बरस लगते हैं' में देश को एक खुले मुंह में रोटी का कोर पहुंचाने में आखिर इतने बरस

देश में निजी एयरलाइन्स संकट में

नई दिल्ली। भारत में विमानन उद्योग ने उद्यमियों को वैसे ही आकर्षित किया है जैसे कीट-पतंग आग की तरफ आकर्षित होते हैं, लेकिन उनसे में कुछेक ही इस क्षेत्र में जीवित और कामयाब हुए हैं, जोकि सभी प्रकार के एयरलाइन व्यवसाय मॉडल - बजट, पूर्ण सेवा और हाइब्रिड के लिए कब्रिस्तान बना हुआ है।

किंगफिशर सबसे बड़ी निजी पहल थी, लेकिन यह असफल रही। जेट एयरवेज, जिसे प्रतिष्ठित ब्रांड माना जाता था, अभी संकट में है। इससे पहले कई एयरलाइन्स ने अपने लांच होने के कुछ ही वर्षों में शुरुआती सफलता के बाद अपना कामकाज समेट लिया था।

इनमें से कुछ प्रमुख एयरलाइन्स में ईस्ट-वेस्ट, मोदीलुफ्त, दमानिया एयरवेज और मदुराई की पैरामाउंट एयरवेज शामिल है। इनके बंद होने के प्रमुख कारणों में साझेदारों में झगड़ा (मोदीलुफ्त के मामले में), नकदी का संकट और नियामकीय चुनौतियां हैं।

जेट एयरवेज का पतन जो इस उद्योग का शुभंकर था, एक बहुत बड़े खतरे का संकेत है। इसका एकाएक पतन कई विमानन विशेषज्ञों के लिए भी चौंकानेवाला रहा है।

अमेजन ग्राहकों को ठग रही कई कंपनियां

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक ग्रुप पर फर्जी समीक्षा के जरिए कई कंपनियां अमेजन के ऑनलाइन ग्राहकों को ठग रही हैं। इस तरह के घोटाले बहुत-सी छोटी और बड़ी कंपनियों द्वारा किए जा रहे हैं। ये कंपनियां झूठी समीक्षा कर विश्वभर में अमेजन के 2.6 अरब यूजर्स को ठग रही हैं। द गार्जियन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि झूठी समीक्षा और जानकारी के जरिए फेसबुक ग्रुप में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि उपभोक्ता वस्तु को खरीदने के लिए उत्सुक हों। चूंकि समीक्षकों को वस्तुओं के लिए वास्तव में भुगतान करना पड़ता है, इसलिए अमेजन को यह विश्वास कराया जा रहा है कि ग्राहक वास्तविक हैं।

गार्मिन की नजर भारतीय लक्जरी वेयरेबल बाजार पर

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख वेयरेबल कंपनी गार्मिन की नजर भारतीय लक्जरी स्मार्ट घड़ियों के बाजार पर है और कंपनी ने साल 2019 की तीसरी तिमाही में सुपर प्रीमियम मार्क लाइन अप लांच करने की योजना बनाई है। इंटरनेशनल डेटा कार्पोरेशन (आईडीसी) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2018 में स्मार्ट घड़ियों की बिक्री में 54.7 फीसदी की तेजी आई और वेयरेबल डिवाइस की बिक्री में इसकी हिस्सेदारी 29.8 फीसदी रही।

साल 2018 की चौथी तिमाही में वेयरेबल डिवाइसेज की वैश्विक बाजार में 31.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और कुल 5.93 करोड़ इकाइयों की बिक्री की नई ऊंचाई पर पहुंच गई। गार्मिन, फिटबिट और हुआवेई जैसी कंपनियों के नए उत्पादों ने साल 2018 की तीसरी तिमाही में मूलभूत वेयरेबल श्रेणी में तेजी का दौर वापस लौटा दिया।

गार्मिन इंडिया के राष्ट्रीय बिक्री प्रबंधक अली रिजवी ने बताया, गार्मिन एक नया उत्पाद ला रही है, जिसका नाम मार्क है। यह एक अल्ट्रा-प्रीमियम श्रेणी का उत्पाद है। इसकी कीमत करीब 2 लाख रुपये हो सकती है। पिछले साल की हमारी वृद्धि दर को देखते हुए हम सभी कीमत श्रेणियों में भारतीय बाजार में काफी क्षमता देखते हैं।

धोनी ने हमें डरा दिया था : कोहली

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ भले ही चेन्नई सुपर किंग्स को एक रन से हार झेलनी पड़ी हो, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी की पारी ने सभी का दिल जीत लिया। विजेता कप्तान विराट कोहली ने भी माना कि धोनी की दमदार बल्लेबाजी ने उनके मन में डर पैदा कर दिया था। धोनी ने रविवार को यहां एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मुकाबले में बेंगलोर के खिलाफ 48 गेंदों पर नाबाद 84 रनों की पारी खेली। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिला सके। मैच के बाद कोहली ने कहा, काफी चीजें महसूस कर रहा हूं। हम 19वें ओवर से पहले तक बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे थे। इस तरह की पिच पर जहां ओस थी, 160 के लक्ष्य को डिफेंड करके हमारी टीम ने बेहतरीन काम किया। आखिरी गेंद पर जो हुआ उसकी मुझे अपेक्षा नहीं थी। छोटे अंतर से मैच जीतकर अच्छा लगा। हमने छोटे अंतर से कई मुकाबले हारे हैं।

धोनी ने वही किया जिसमें वह माहिर हैं, उन्होंने हमें डरा दिया। कोहली ने कहा, पहले छह ओवर में हमने सोचा कि गेंद बल्ले पर नहीं आ रही है। पार्थिव और डिविलियर्स ने पारी को संभाला और बीच में हमें लगा कि इस पिच पर 175 एक अच्छा टोटल होगा। हमने सोचा हमें 15 रन और बनाने चाहिए थे।

हार के बाद चेन्नै टीम के बल्लेबाजों से निराश दिखे कप्तान धोनी

बेंगलुरु। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी चेन्नै सुपर किंग्स के लिए आखिरी गेंद तक संघर्ष करते रहे लेकिन वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 1 रन की जीत से रोक नहीं सके। धोनी ने 48 गेंदों पर 84 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। आखिरी ओवर में 3 छक्के और एक चौका लगाया लेकिन फिर भी उनकी टीम 162 के लक्ष्य से पीछे रह गई। रॉयस चैलेंजर्स बैंगलोर ने 7 विकेट पर 161 रन बनाए, जिसके बाद चेन्नै टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन बनाकर केवल 1 रन से हार गई। पेसर उमेश यादव के पारी के आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिए 26 रन चाहिए थे लेकिन अंतिम गेंद पर

शार्दुल ठाकुर के रन आउट हो जाने से बैंगलोर 2014 के बाद पहली बार चेन्नै को हराने में कामयाब रही। हार के बाद धोनी अपनी टीम के बल्लेबाजों से कुछ निराश जरूर नजर आए। धोनी ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा मुकाबला था। इस विकेट पर हमारे गेंदबाजों ने बैंगलोर को कम स्कोर पर रोका। धोनी अपनी टीम के टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों से थोड़ा नाराज नजर आए। उन्होंने कहा, अगर आप विपक्षी टीम के गेंदबाजी आक्रमण से वाकिफ हों तो आपको अपने प्लान पर टिका रहना चाहिए। चेन्नै की टीम ने टॉप-4 बल्लेबाज सिर्फ 28 रन बनाकर लौट गए थे। धोनी ने कहा, अगर आप शुरुआत में बहुत विकेट गंवा दें तो इससे मिडिल ऑर्डर पर दबाव बढ़ जाता है और वह शुरुआत से ही गेंदबाजी पर आक्रमण नहीं कर पाता। कैप्टन कूल के नाम से मशहूर धोनी ने कहा कि हमें देखना होगा कि किन क्षेत्रों में हम

अफगानिस्तान की टीम का ऐलान, हसन और असगर को मिली जगह

काबुल। तेज गेंदबाज हामिद हसन और पूर्व कप्तान असगर अफगान को विश्व कप के लिए सोमवार को घोषित हुई अफगानिस्तान की टीम में जगह दी गई है जिसमें आईपीएल में खेल रहे राशिद खान और मोहम्मद नबी जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। गुलबदिन नैब की अगुवाई वाली इस टीम में मोहम्मद शहजाद और स्पिनर मुजीब उर रहमान को भी जगह मिली है। अफगान को पिछले दिनों सभी प्रारूपों की कप्तानी से हटा दिया गया था। हसन की तीन साल बाद टीम में वापसी हुई है हालांकि उनकी फिटनेस अब भी चिंता का सबब है। 31 साल के अफगानिस्तान के इस गेंदबाज ने 32 एकदिवसीय में 56 विकेट लिए हैं। मुख्य चयनकर्ता दौलत खान अहमदजई ने कहा, 'वरिष्ठ गेंदबाज हामिद हसन की टीम में वापसी हमारे लिए अच्छी खबर है।

आज का राशिफल

मेष: जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आएंगे।

वृषभ: क्रोध पर नियंत्रण रखें तो शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। धन लाभ होगा। बेहतर स्वास्थ्य से आज आंतरिक ऊर्जा का संचार रहेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन: आपकी योग्यता के अनुसार समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। संतान सुख मिलेगा।

कर्क: घर एवं बाहर आज दोनों जगह वाद-विवाद में पड़ने से बचें। वैचारिक मतभेदों को किनारे कर आज का दिन व्यतीत करें। खुद को विवादों से दूर रखेंगे तो पूरा दिन अनुकूल रहेगा।

सिंह: परा म में वृद्धि होगी। धन लाभ, मंगलमय यात्रा, कार्यपूर्ण होगा। परिवार में बढ़ती जिम्मेदारियों की पूर्ति होगी, नई योजनाएं लाभ देंगी।

कन्या: अचानक धन लाभ होगा। आज कोई नया प्रॉजेक्ट या फिर नई योजना प्रारंभ करना शुभ रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, आमदनी का प्रवाह बना रहेगा।

तुला: आज सोचा हुआ कार्य पूर्ण होगा, यात्रा से लाभ होगा। कार्य सिद्धि के योग, उच्चाधिकारी का सहयोग मिल सकता है। उत्साह बना रहेगा, आज दिन शुभ रहेगा।

वृश्चिक: आज किसी को उधार न दें। धन व्यय का योग है। यात्रा में कष्ट, मानसिक तनाव हो सकता है। चिंता की जगह चिंतन करें तो लाभ होगा।

धनु: कार्यों में आने वाली बाधाएं स्वतः दूर होंगीं। शुभ समाचार मिलेगा, मनोबल बढ़ेगा। विशेष लाभ, धन निवेश में भी लाभ का योग है।

मकर: कर्म क्षेत्र में सफलता मिलेगी। घर में सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। नए संपर्क बनेंगे।

कुंभ: आज भाग्योदय का दिन है। धार्मिक स्थल, अपने इष्ट और देवी-देवता के दर्शन से मनोकामना पूर्ण होगी। जितना भरोसा भाग्य पर है उतना स्वयं पर करें।

मीन: आज यात्रा में सावधानी बरतें, चोट-चपेट लग सकती है। वाद-विवाद की संभावनाएं हैं।

पास्ता कटलेट

आवश्यक सामग्री :

2 टेबस्पून बटर, 2 टेबस्पून मैदा, 2 कप नूडल्स (उबले हुए), 1 प्याज स्लाइस किया हुआ, 2 कप दूध, एक चौथाई कप हरी व लाल शिमला मिर्च, आधा टीस्पून काली मिर्च, 2-3 लौंग, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई कप वस्तु (कद्दूकस किया हुआ), 2 अंडे, आधा कप ब्रेड का चूरा, ऑयल आवश्यकता के अनुसार

बनाने की विधि :

सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में बटर को पिघलाएं । अब इसमें मैदा डालकर अच्छे से मिला लें ।फिर इसमें प्याज व दूध डालकर अच्छे से चलाएं ।शिमला मिर्च, काली मिर्च पाउडर, नमक व लौंग डालकर अच्छे से मिक्स कर 1-2 मिनट तक पकाएं । इसके बाद इसमें उबले हुए नूडल्स व वस्तु डालकर पकाएं व आंच बंद कर दें । अब इसे एक प्लेट में निकालकर सेट होने के लिए 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें । तय समय के बाद इसे निकालें व कटलेट के आकरा में काट लें हर एक पीस को मैदे से कोट जरूर करें ।अब एक छोटे बाउल में अंडा फोडकर इसमें नमक मिलाएं । इसी बीच मीडियम आंच में एक पैन में ऑयल गरम करने के लिए रखें । कटलेट को अंडे के घोल में डिप कर ब्रेड के चूरे में लपेटकर ऑयल में डालें ।कटलेट को दोनों तरफ से सुनहरा होने तक तल लें । तैयार है पास्ता कटलेट ।

शब्द सामर्थ्य-42

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

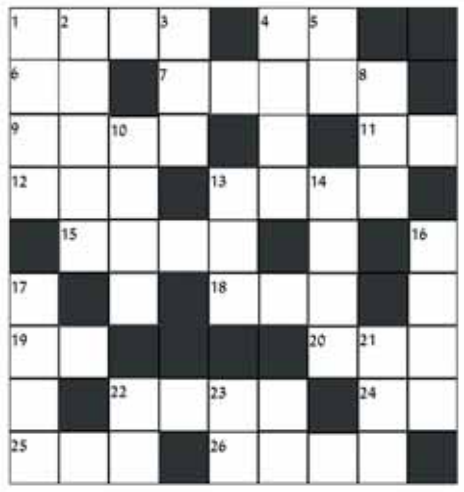

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 41 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू-42

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.41 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3